

सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा विभाग-राजस्थान सरकार
(प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा)

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन
बाल केन्द्रित शिक्षण
सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन

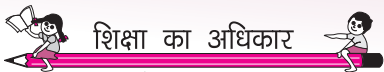
अध्यापक योजना डायरी

कक्षा : 3, 4 व 5 : पर्यावरण अध्ययन

सत्र :.....

विद्यालय का नाम :

शिक्षक/शिक्षिका का नाम :



शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें



पढ़े चलो, बढ़े चलो
RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- कक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठों के अधिगम उद्देश्य/कार्य की प्राथमिक स्तर के लिए विषयवार अलग से पुस्तिका दी गई है। विषय से सम्बन्धित योजना बनाते समय इस पुस्तिका का उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय-सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थियों के नाम, कक्षा के बच्चों के समूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित हैं। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों के नाम एवं रोल नं. डायरी में सम्बन्धित कक्षा की शुरुआत वाले पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार इस पत्रक पर नाम लिखना है।
- अधिगम स्तर के अनुसार समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज करना है।
- शिक्षण-आकलन योजना – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक कार्य, उपसमूहों में कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ “सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य” से तात्पर्य पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति- इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को, कक्षा-कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए समय-समय पर आकलन सूचकों के सापेक्ष प्रत्येक टर्म में दो बार दर्ज करना है।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचकों में से बुनियादी अवधारणाओं के सापेक्ष आकलन के सूचकों को आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किया गया है ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे बुनियादी अवधारणाओं के अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा। तीन टर्म में काम करने के बाद चतुर्थ टर्म में बच्चों का सम्पूर्ण अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष वार्षिक समेकित आकलन दर्ज करना है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति के लिए दी गई चैकलिस्ट में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 30 बच्चों का आकलन दर्ज किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी में लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है- A= स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।

कक्षा : 3

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
व्याख्या/ विश्लेषण करना। (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																																
	II																																
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																																
	II																																
प्रश्न करना (Questioning)																																	
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																																
	II																																
प्रयोग (Experimentation)																																	
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																																
	II																																
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																																
	II																																
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																																
	II																																
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																																	
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																																
	II																																
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																																
	II																																
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																																
	II																																

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																															
	II																															
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																															
	II																															
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																															
	II																															
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																															
	II																															
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																															
	II																															
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																															
	II																															
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
वर्गीकरण करना (Classification)																																
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																															
	II																															
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																															
	II																															

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	--

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-3 : चतुर्थ टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
अवलोकन और दर्ज़ करना (Observation and Reporting)																																
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																															
	II																															
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																															
	II																															
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																															
	II																															
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																															
	II																															
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																															
	II																															
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																															
	II																															
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
वर्गीकरण करना (Classification)																																
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																															
	II																															
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																															
	II																															

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा : 4

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा-4 : प्रथम टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/ चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/ लिखित/ रेखाचित्रों/ तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-4 : द्वितीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																															
	II																															
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																															
	II																															
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																															
	II																															
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																															
	II																															
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/ चर्चा)																																
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/ लिखित/ रेखाचित्रों/ तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से)	I																															
	II																															
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																															
	II																															
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
वर्गीकरण करना (Classification)																																
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																															
	II																															
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																															
	II																															
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																															
	II																															

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारी, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना

दिनांकसेतक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)

सतत आकलन योजना

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-4 : तृतीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>		<p>सतत आकलन योजना</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																															
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																														
	II																														
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																														
	II																														
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																														
	II																														
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																														
	II																														
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/ चर्चा)																															
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/ लिखित/ रेखाचित्रों/ तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से)	I																														
	II																														
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																														
	II																														
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना (Classification)																															
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																														
	II																														
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																															
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-4 : चतुर्थ टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/ चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/ लिखित/ रेखाचित्रों/ तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा : 5

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

पाठ/अवधारणा/थीम

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना

दिनांकसेतक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)

सतत आकलन योजना

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

पाठ/अवधारणा/थीम

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना

दिनांकसेतक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)

सतत आकलन योजना

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/ चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/ लिखित/ रेखाचित्रों/ तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-5 : तृतीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

पाठ/अवधारणा/थीम

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना

दिनांकसेतक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)

सतत आकलन योजना

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
--	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

कक्षा-5 : चतुर्थ टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण-आकलन योजना	दिनांकसेतक
सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य :		
<p>सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)</p>	<p>सतत आकलन योजना</p>	

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
--	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30		
अवलोकन और दर्ज करना (Observation and Reporting)																																	
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																																
	II																																
मिलती-जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																																
	II																																
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																																
	II																																
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																																
	II																																
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																																	
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																																
	II																																
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																																
	II																																
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																																
	II																																
वर्गीकरण करना (Classification)																																	
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																																
	II																																
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																																
	II																																
व्याख्या/ विश्लेषण करना (Explanation/Analysis)																																	
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																																
	II																																

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																														
	II																														
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारीयों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना (Questioning)																															
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																														
	II																														
प्रयोग (Experimentation)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																														
	II																														
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																															
विशेष योग्य जन व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़-पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														

<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>
---	---

शिक्षण योजना की समीक्षा: सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल से तक	पाक्षिक : समयान्तराल से तक
<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>	<p>बच्चों की सहभागिता, सीखने-सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :-</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

शिक्षक के नोट्स

'स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्युकेशन' (S.I.Q.E.) के विकास एवं क्रियान्वयन में सहभागी संस्थाएँ



राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्



एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर



बोध शिक्षा समिति



यूनिसेफ, जयपुर



राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्